हिन्दी स्नातक (बी0ए0) सेमेस्टर पद्धति पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम – हिन्दी–विभाग
सीबीसीएस पद्धति के अन्तर्गत
(सत्र 2022–25)

हिन्दी–विभाग
बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर
रोहतक

सीबीसीएस
(चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति)
स्नातक (प्रोग्राम)

सेमेस्टर–1

ध्रुव स्वामिनी और हिन्दी साहित्य का आदिकाल (डी.एस.सी.)
व्यवहारिक हिन्दी (ए.ई.सी.सी.)

सेमेस्टर–2

मध्यकालिन हिन्दी कविता और मध्यकालिन साहित्य (डी.एस.सी.)
हिन्दी का व्यवहारिक व्याकरण शास्त्र अथवा हिन्दी भाषा और सम्प्रेष्ण (ए.ई.सी.सी.)

सेमेस्टर–3

आधुनिक हिन्दी कविता और रीतिकाल (डी.एस.सी.)
कार्यालयी हिन्दी (एस.ई.सी.)

सेमेस्टर–4

आधुनिक गद्य साहित्य (डी.एस.सी.)
भाषा कम्प्यूटिंग (ए.ई.सी.सी.)

सेमेस्टर–5

अनुवाद विज्ञान (एस.ई.सी.)
हरियाणवी साहित्य–1 (डी.एस.ई.)
समकालिन हिन्दी कविता–2 (डी.एस.ई.)
हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल (जी.ई.सी.)

सेमेस्टर–6

भाषा शिक्षण (एस.ई.सी.)
रेखा चित्र और संस्मरण (डी.एस.ई.)
पत्रकारिता (डी.एस.ई.)
प्रयोजनमूलक हिन्दी (जी.ई.सी.)

पाठ्यक्रम
(बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय)
बी0ए0 : प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल
- आदिकालिन साहित्य
- व्यावहारिक हिन्दी

खण्ड–क : ध्रुवस्वामिनी
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
1 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य
2 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्रा–योजना
3 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता
4 प्रसाद की नाट्यकला

खण्ड–ख : हिन्दी साहित्य का आदिकाल
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
1 हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
2 आदिकाल का नामकरण
3 आदिकाल की परिस्थितियॉ
4 आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवत्तियाँ

खण्ड–ग : आदिकालिन साहित्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
1 रासोकाव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय
2 सिद्ध साहित्य
3 जैन साहित्य
4 नाथ साहित्य

खण्ड–घ : व्यावहारिक हिंदी
पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय
1 भाषा की परिभाषा
2 भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा,
3 मानक–भाषा की प्रमुख प्रवत्तियाँ
4 हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन
5 हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान
6 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

निर्देश–

1 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या 6 अंक कीहोगी । पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा ।
2 खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न 8 अंक का होगा ।
3 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा ।
4 खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 8–8 अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा ।
5 खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।
6 खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।
7 खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक एवं दो) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास– नगेन्द्र (संपा0)
5. धूव स्वामिनी नाटक – जय शंकर प्रसाद
6. सामान्य हिन्दी व्याकरण–

पाठ्यक्रम
(बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय)
बी0ए0 : द्वितीय सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- भक्ति कालिन कविता (मध्यकालीन काव्य– कुंज : सं0 डॉ0 रामसजन पाण्डेय प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, 1276/5, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज, रोहतक।
- हिन्दी साहित्य का मध्यकाल
- काव्यशास्त्र

खण्ड–क

- भक्तिकालीन हिन्दी कविता
- कबीरदास
- सूरदास
- मीराबाई

खण्ड–ख

- तुलसीदास
- जायसी
- रसखान

खण्ड–ग

हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
1 भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
2 संत काव्य की प्रवत्तियाँ
3 सूफी काव्य की प्रवत्तियाँ
4 राम काव्य की प्रवत्तियाँ
5 कष्ण काव्य की प्रवत्तियाँ
6 भक्तिकाल : स्वर्णयुग

खण्ड–घ

काव्यशास्त्रा पर आधारित विषय

1 काव्य के तत्व
2 रस : स्वरूप और अंग
3 रस के भेद
4 अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति
छंद–दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी
शब्दशक्तियाँ : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
काव्य–गुण : प्रसाद, माधुर्य और ओज

निर्देश––
1 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूराप्रश्न 12 अंक का होगा ।
2 खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एकप्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न 8 अंक का होगा ।
3 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा ।
4 खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 8–8 अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा ।
5 खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।
6 खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न 5 अंक का तथा पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।
7 खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा ।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक एवं दो) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास– नगेन्द्र (संपा0)
5. धूव स्वामिनी नाटक – जय शंकर प्रसाद
6. सामान्य हिन्दी व्याकरण–

पाठ्यक्रम
(बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय)
बी0ए0 : द्वितीय सेमेस्टर
हिन्दी योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (ए.ई.सी.सी.)
हिन्दी का व्यावहारिक व्याकरण शास्त्र

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- भाषा और व्याकरण
- शब्द परिचय
- व्याकरण – व्यवहार
- वाक्य परिचय

खण्ड–क

भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण और भाषा का अन्तः सम्बन्ध
- ध्वनि, वर्ण एव मात्राएँ

खण्ड–ख

शब्द परिचय

- स्रोत के आधार पर शब्द के भेद– तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशज
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियॉ–संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया
- शब्दगत अशुद्धिया तथा उपसर्ग एवं प्रत्यय

खण्ड–ग

व्याकरण– व्यवहार

- लिंग,वचन, कारक, संधि तथा समास
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

खण्ड–घ

वाक्य परिचय

- वाक्य के अंग

- वाक्य के भेद
- वाक्य अशुद्धियॉ एवं विराम चिह्न

सहायक ग्रन्थः–

1. व्यावहरिक हिनदी संरचना और अभ्यास– बालगोविन्द मिश्र
2. आधुनिक हिन्दी व्याकरणः स्वरूप एवं प्रयोग– भारती खुबालकर
3. हिन्दी व्याकरण के नवीन क्षितिज– रवीन्द्रकुमार पाठक
4. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास– उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषाः संरचना के विविध आयाम– रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. हिन्दी व्याकरण –कामताप्रसाद गुरू
7. हिन्दी भाषा की संचरना – भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी शब्दानुशासन–किशोरीलाल वाजपेयी
9. हिन्दी व्याकरण– कामताप्रसाद गुप्त
10. भारतीय पुरालिपि– राजबली पाण्डेय

पाठ्यक्रम
(बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय)
बी0ए0 : तृतीय सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम
आधुनिक हिंदी कविता,
प्रधान सं0 डॉ0 सरिता वशिष्ठ, कुरुक्षेत्राविश्वविद्यालय प्रकाशन, कुरूक्षेत्रा
हिंदी साहित्य का रीतिकाल
प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग
अनुवाद

खण्ड––क
आधुनिक हिंदी कविता

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवत्ति पर प्रश्न नहीं
पूछे जाएंगे ।

खण्ड––ख :
हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
1 रीतिकालीन हिंदी कविता की पष्ठभूमि
2 रीतिकाल का नामकरण

खण्ड––ग
रीतिकाल के भेद या वर्गीकरण

1. रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
2. रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ
3. रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

खण्ड––घ
प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय
1 कंप्यूटर : स्वरूप और महत्व
2 ई–मेल : प्रेषण–ग्रहण
3 इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
4 मशीनी अनुवाद
5 अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप

निर्देश–
1 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी । पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा ।
2 खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न 8 अंक का होगा ।
3 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा ।
4 खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 8–8 अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा ।
5 खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।
6 खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।
7 खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

पाठ्यक्रम
(बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय)
बी0ए0 : तृतीय सेमेस्टर
हिन्दी कौशल – संवर्द्धक पाठ्यक्रम (एस.ई.सी.)
कार्यालयी हिन्दी

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

खण्ड–क

कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, क्षेत्र तथा उद्देश्य

- अभिप्राय क्षेत्र एवं उद्देश्य
- सामान्य एवं कार्यालयी हिन्दी में अन्तः सम्बन्ध
- कार्यालयी हिन्दी की स्थिति एवं संभावनाएँ

खण्ड–ख

कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली

- कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली
- पद्नाम एवं अनुभाग के नाम
- औपचारिक पदावलियाँ/ अभिव्यक्तियाँ

खण्ड–ग

कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप

- सामान्य परिचय
- आवेदन लेखन एवं रिक्त पदों पर भर्ती हेतू विज्ञापन
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, निविदा आदि)

खण्ड–घ

टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण

- टिप्पण का स्वरूप, भाषा शैली तथा विशेषताएं
- प्रारूपण का अर्थ, प्रविधि तथा भाषा शैली
- सक्षेपण का अर्थ, प्रकार एवं विशेषताएं

सन्र्दभ ग्रन्थ

1. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी– ओमप्रकाश सिंहल

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी माधव सोनटक्के
3. प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धान्त और प्रयोग – दंगल झाल्टे
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका– कैलाशनाथ पाण्डेय
5. हिन्दी की विकास यात्रा – डॉ0 रामप्रकाश
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ0 रामप्रकाश
7. प्रशासनिक पत्राचार – ठाकुरदास
8. भारत सरकार की राजभाषा नीति– रामवीर सिंह

पाठ्यक्रम
(बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय)
बी0ए0 : चतुर्थ सेमेस्टर
कौर / अनिवार्य प्रश्न–पत्र
कथाक्रम और आधुनिक गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम
कथा क्रम सं0 डॉ0 रोहिणी अग्रवाल,
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, 1276 / 5, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न0 09991708080

- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
- पारिभाषिक शब्दावली
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड––क
कथाक्रम

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड––ख
हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
2. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
3. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

खण्ड––ग
हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
2. हिंदी निबन्ध : उद्भव और विकास
3. अन्य निर्धारित विधाए

खण्ड––घ
पारिभाषिक शब्दावली

निर्धारित विषय

1 पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्व

2 पारिभाषिक शब्दावली के गुण

3 पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तरराष्ट्रीयतावादी,
समन्वयवादी ।

निर्देश

1 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी । पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा ।

2 खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न 8 अंक का होगा ।

3 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा ।

4 खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 8–8 अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न 16 अंक का होगा ।

5 खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।

6 खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा ।

7 खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का तथा पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

पाठ्यक्रम
(बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय)
बी0ए0 : चतुर्थ सेमेस्टर
कौर / अनिवार्य प्रश्न–पत्र
कथाक्रम और आधुनिक गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- कम्पयूटर का विकास और हिन्दी भाषा
- हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी
- हिन्दी भाषा, कम्पयूटर और गवर्नेस
- हिन्दी भाषा और कम्पयूटर

खण्ड़–क

कम्पयूटर का विकास और हिन्दी भाषा

- कम्पयूटर में हिन्दी का आरम्भ एवं विकास
- हिन्दी मे विविध फॉन्ट
- कम्पयूटर के क्षेत्र में हिन्दी की चुनौतियाँ और समानताएँ

खण्ड़–ख

हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी

- हिन्दी की भाषा और वेबसाइट और वेबडिजाईनिंग
- इन्टरनेट पर हिन्दी
- यूनीकोड, देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा

खण्ड़–ग

हिन्दी भाषा, कम्पयूटर और गवर्नेस

- हिन्दी भाषा शिक्षण और ई–लर्निग
- ई–गवर्नेस, इंटरनेट
- राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कम्पयूटर की भूमिका

खण्ड़–घ

हिन्दी भाषा और कम्पयूटर

- न्यू मीडिया और हिन्दी भाषा
- हिन्दी पत्र पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर
- एस.एम.एस. की हिन्दी

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. हिन्दी भाषा और कम्पयूटर–सतोष गोयल
2. कम्पयूटर और हिन्दी– हरिमोहन
3. कम्पयूटर के मौखिक अनुप्रयोग–विजय कुमार मल्हौत्रा
4. पत्रकारिता से मीडिया तक–मनोज कुमार
5. नए जमाने की पत्रकारिता–सौरभ शुक्ल
6. मीडियाः भूमंडलीकरण और समाज– संजय द्विवेदी (संपा0)
7. कम्पयूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा–सिद्धात– पी0के0 शर्मा
8. सोशल नेटवर्किगः नए समय का समाज– संजय द्विवेदी (संपा0)
9. जनसंचार–डॉ0 राधेश्याम शर्मा
10. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ– जबरीमल्ल पारख